समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 18 August 2026

मंत्री के पैर छूने वाला वायरल वीडियो : सीहोर अधिकारी की सोशल मीडिया पर किरकिरी, लोग कर रहे हैरान

Publisher

Published on 07 Oct 2025

मध्य प्रदेश के सीहोर जिले से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जिसने सोशल मीडिया पर जोरदार हलचल मचा दी है। जिले के एक अधिकारी ने मंत्री करण सिंह वर्मा का पैर छूकर आशीर्वाद लिया, और इस पूरी घटना का वीडियो वायरल हो गया। वीडियो के वायरल होते ही अधिकारी की जमकर किरकिरी हुई और लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देने लगे।

यह घटना बिलकिसगंज में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित एक शिविर के दौरान हुई। इस कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा विशेष अतिथि के रूप में शामिल थे। जैसे ही मंत्री मंच पर पहुंचे, सीहोर के CMHO डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने उनका पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद अधिकारी ने मंत्री को बुके भी दिया और फोटो खिंचवाई।

यह दृश्य किसी ने मोबाइल में कैद कर लिया और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वायरल वीडियो में स्पष्ट देखा जा सकता है कि अधिकारी अपने पद का सम्मान भूलकर मंत्री का पैर छू रहा है, जिससे कई लोग हैरान रह गए। वीडियो के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोग अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

कई लोग इसे सरकारी पद पर बैठे व्यक्ति के लिए अनुचित व्यवहार मान रहे हैं। उनका कहना है कि अधिकारी को अपनी गरिमा और सरकारी पद का सम्मान करना चाहिए था और किसी भी हालत में मंत्री के पैर छूने जैसी घटना नहीं होनी चाहिए थी। वहीं कुछ लोग इसे परंपरागत आशीर्वाद की प्रक्रिया के रूप में देख रहे हैं और इसे व्यक्तिगत भावनाओं का हिस्सा मान रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मामलों में अधिकारी और सार्वजनिक पदधारी दोनों को सामाजिक और पेशेवर सीमाओं का ध्यान रखना चाहिए। अधिकारी का यह कदम न केवल उनके व्यक्तिगत सम्मान को प्रभावित करता है बल्कि सरकारी पद की गरिमा पर भी प्रश्न उठाता है।

इस वायरल वीडियो के बाद कई मीडिया हाउस ने इस पर रिपोर्टिंग शुरू कर दी है। स्थानीय पत्रकारों ने बताया कि अधिकारी की प्रतिक्रिया और घटना के पीछे के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना किसी योजना या कार्यक्रम की सफलता का हिस्सा नहीं बल्कि व्यक्तिगत भावनाओं के कारण हुई है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर जनता में चर्चा का प्रमुख विषय यह है कि सरकारी अधिकारियों को अपने पद का सम्मान बनाए रखना चाहिए। कई लोगों ने टिप्पणी की कि ऐसे कृत्य सरकारी प्रणाली की प्रतिष्ठा को कमजोर कर सकते हैं और जनता के विश्वास पर असर डाल सकते हैं।

सीहोर प्रशासन ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं दी है। वहीं, कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस घटना को लेकर सोशल मीडिया की प्रतिक्रियाएं अधिकारी के पेशेवर रवैये और सार्वजनिक छवि पर असर डाल सकती हैं।

यह घटना यह सवाल भी उठाती है कि आधुनिक समय में सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति को अपनी गरिमा और पेशेवर सीमाओं का कितना ध्यान रखना चाहिए। चाहे कोई पारंपरिक या सांस्कृतिक संदर्भ हो, लेकिन पद की गरिमा बनाए रखना और सार्वजनिक रूप से अनुचित कार्य से बचना जरूरी माना जाता है।

इस पूरे मामले ने जिले में ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बना दिया है। लोगों ने वीडियो के माध्यम से यह दिखा दिया कि सामाजिक और पेशेवर सीमाओं को भूलना कितनी जल्दी विवाद का कारण बन सकता है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अधिकारी और मंत्री दोनों ने घटना के बाद मीडिया और जनता के सामने किसी प्रकार की बयानबाजी नहीं की है। हालांकि, वायरल वीडियो के प्रभाव से अधिकारी की आलोचना बढ़ गई है और कई लोग प्रशासन से उचित कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं।

यह मामला यह भी दर्शाता है कि सोशल मीडिया में कोई भी घटना तेजी से वायरल हो सकती है और सार्वजनिक पद पर बैठे लोगों की छवि पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है। अधिकारी के इस कदम ने यह स्पष्ट कर दिया कि पेशेवर और व्यक्तिगत भावनाओं के बीच संतुलन बनाए रखना कितना जरूरी है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.